



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शनिवार, 3 फरवरी, 2001/14 मार्च, 1922

हिमाचल प्रदेश सरकार

शहरी विकास विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 4 जनवरी, 2001

संख्या यू० डी० ए० (3) 7/2000.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1994 (1994 का 13) की धारा 304 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राज्य निर्वाचन आयोग के परामर्श से, हिमाचल प्रदेश नगरपालिका (अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के पद के आरक्षण और निर्वाचन) नियम, 1995 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं जिनका पूर्व प्रकाशन इस विभाग की सम संख्यांक अधिसूचना तारीख 3-1-2001 द्वारा राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण) तारीख 3-1-2001 में हो चुका है; अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश नगरपालिका (अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के पद के आरक्षण और निर्वाचन) संशोधन नियम, 2001 है।

(2) में नियम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किए जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे ।

2. नियम-6 का संशोधन.—हिमाचल प्रदेश नगरपालिका (अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के पद के आरक्षण और निर्वाचन) नियम, 1995 (जिन्हें इसमें इसके बाद उक्त नियम कहा गया है) के नियम-6 में,—

(क) उप-नियम (1) के पश्चात् निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा; अर्थात् :—

“(1-क) पीठासीन अधिकारी, नियम-5 के अनुसार पद की शपथ दिलाए जाने के तुरन्त पश्चात् निर्वाचित सदस्यों को अध्यक्ष के पद के लिए अभ्यर्थियों को नाम निर्दिष्ट करने के लिए, एक घण्टे तक का समय देगा ।

(1-ब) निर्वाचित सदस्य के नाम का प्रस्ताव अध्यक्ष के पद के लिए दूसरे निर्वाचित सदस्य द्वारा किया जा सकेगा और इसका समर्थन दूसरे अन्य निर्वाचित सदस्य द्वारा किया जा सकेगा ।

स्पष्टीकरण—“निर्वाचित सदस्य” से सम्बन्धित नगरपालिका का निर्वाचित सदस्य अभिप्रेत है ।

(1-ग) निर्वाचित सदस्य, जिसके नाम का प्रस्ताव, उप नियम (1-ब) के अधीन, अभ्यर्थी के रूप में किया गया, अध्यक्ष के पद के लिए अभ्यर्थी बनने के लिए नाम निर्देशन स्वीकार करेगा ।

(1-घ) नाम-निर्देशन दाखिल करने के लिए दिए गए समय के अवसान के पश्चात्, पीठासीन अधिकारी नाम निर्देशनों की गवांक्षा करेगा और अविधिमान्य नाम निर्देशनों को नामन्जूर करने के पश्चात् ऐसे अभ्यर्थियों की अभ्यर्थिता स्वीकार करेगा जिन्हें विधिमान्य रूप से नाम निर्दिष्ट किया गया है ।

(1-ङ) नाम निर्देशनों को स्वीकृत करने के पश्चात् पीठासीन अधिकारी अभ्यर्थिता वापिस लेने के लिए 30 मिनट का समय देगा” ।

(ख) उप-नियम (3) के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा; अर्थात् :—

“(3) यदि अभ्यर्थिता वापिस लेने के लिए अनुज्ञात समय के समाप्त होने के पश्चात् पद के लिए केवल एक ही अभ्यर्थी शेष रह जाता है तो पीठासीन अधिकारी ऐसे अभ्यर्थी को सम्मूह रूप से निर्वाचित घोषित करेगा”, और

(ग) उप-नियम (4) के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(4) यदि अभ्यर्थिता वापिस लेने के लिए अनुज्ञात समय के समाप्त होने के पश्चात् एक से अधिक अभ्यर्थी रह जाते हैं तो मतदान किया जाएगा” ।

3. प्राव्य-III का जोड़ना.—उक्त नियमों में संलग्न प्राव्य-II के बाद निम्नलिखित प्राव्य-III जोड़ा जाएगा, जिसमें :—

प्राव्य-III

[नियम-6 (1-ब) देखें]

नाम निर्देशन-पत्र

..... नगरपालिका परिषद्/नगर पंचायत के अध्यक्ष/उपाध्यक्ष के पद के लिए निर्वाचन
 नगरपालिका परिषद्/नगर पंचायत के वाइस सचिव से
 निर्वाचित एक सदस्य एतद् द्वारा नगरपालिका परिषद्/नगर पंचायत के अध्यक्ष/उपाध्यक्ष

के पद के निर्वाचन के लिए अभ्यर्थी के रूप में वार्ड संख्या से निर्वाचित सदस्य श्री/श्रीमती के नाम का प्रस्ताव करता हूँ।

स्थान
तारीख

प्रस्थापक के हस्ताक्षर

मैं नगरपालिका परिषद्/नगर पंचायत के वार्ड संख्या में निर्वाचित एक सदस्य एतद् द्वारा नगरपालिका परिषद्/नगर पंचायत के अध्यक्ष/उपाध्यक्ष के पद के निर्वाचन के लिए श्री/श्रीमती की अभ्यर्थिता को समर्थित करता हूँ।

स्थान
तारीख

समर्थक के हस्ताक्षर

(अभ्यर्थी द्वारा भरा जाएगा)

मैं, उपर्युक्त नामनिर्दिष्ट अभ्यर्थी एतद्द्वारा घोषणा करता हूँ कि मैं नामनिर्देशन को सहायता देता हूँ और मैं सेवा के लिए राजामन्द हूँ।

॥

अभ्यर्थी के हस्ताक्षर

(नामनिर्देशन पत्र को स्वीकार करने या अस्वीकार करने के लिए पीठासीन अधिकारी का विनिश्चय)

मैंने नियमों और अधिनियम के उपबन्धों के अनुसार इस नामनिर्देशन पत्र की संवीक्षा कर ली है और निम्नलिखित विनिश्चय करता हूँ :—

स्वीकृत/नामंजूर

स्थान
तारीख

पीठासीन अधिकारी

आदेश द्वारा,

एम० के० सद,
बिन्तायुक्त एवं सचिव।

[Authoritative English text of Government notification No. UD-A(3)-7/2000, dated 4-1-2001 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

URBAN DEVELOPMENT DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-171002, the 4th January, 2001

No. UD-A (3)-7/2000.—In exercise of the powers conferred by section 304 of the Himachal Pradesh Municipal Act, 1994 (Act No. 13 of 1994) the Governor, Himachal

Pradesh, in consultation with the State Election Commission, is pleased to amend the Himachal Pradesh Municipal (Reservation and Elections to the office of the President and Vice President) Rules, 1995, having been previously published in the Rajpatra Himachal Pradesh (extra ordinary) dated 3-1-2001 vide this Department's notification of even number dated 3-1-2001, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Himachal Pradesh Municipal (Reservation and Election to the Office of President and Vice President) Amendment Rules, 2001.

(2) They shall come into force from the date of publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

2. Amendment of Rule 6.—In rule 6 of the Himachal Pradesh Municipal (Reservation and Election to the office of President and Vice President) Rules, 1995 (hereinafter called the “said rules”),—

(a) after sub rule (1), the following shall be inserted namely:—

“(1-A) Immediately after administering the oath of office in accordance with rule-5, the Presiding Officer shall give time upto one hour to the elected members to nominate candidates for the office of President.

(1-B) an elected member may be proposed for the office of President by another elected Member and seconded by one more elected member in Form III.

Explanation—“elected member” means an elected member of the municipality concerned.

(1-C) an elected member who has been proposed as candidate under sub-rule (1-B) shall accept the nomination for becoming a candidate for the office of the President.

(1-D) After the expiring of the time given for filing the nomination, the Presiding Officer shall undertake scrutiny of the nominations and accept the candidature of such candidates who are validly nominated after rejecting invalid nominations.

(1-E) After the acceptance of the nominations, the Presiding Officer shall give 30 minutes time for withdrawal of candidature”.

(b) for sub-rule (3), the following shall be substituted, namely:—

“(3) If only one candidate for the office is left after the time allowed for withdrawal of candidature is over, the Presiding Officer shall declare such a candidate as duly elected”, and

(c) for sub-rule (4), the following shall be substituted, namely:—

“(4) If more than one candidates are left after the time allowed for withdrawal of candidature is over, poll shall be held.”

3. Addition of Form-III.—After Form-II appended to the said rules, the following Form-III shall be added, namely:—

“FORM-III
[See Rule-6 (1-B)]

NOMINATION PAPER

Election to the office of the President/Vice-President of Municipal Council/Nagar Panchayat.

Ian elected member from ward No.....of
.....Municipal Council/Nagar Panchayat, hereby propose
Shri/Smt.....an elected member from ward No.....as a candidate for
Election to the office of the President/Vice-President of.....Municipal Council,
Nagar Panchayat.

Place :

Signature of the Proposer.

Dated :

Ian elected member from ward No.....of
Municipal Council/Nagar Panchayat hereby second the candidature of Shri/Smt.....
.....for the election to the office of President/Vice-President of
.....Municipal Council, Nagar Panchayat.

Place :

Signature of the Seconder.

Dated :

(To be filled by the candidate)

I, the above mentioned candidate hereby declare that I agree to the nomination and I am
willing to serve.

Place :

Signature of Candidate.

Dated :

(Decision of Presiding Officer accepting or rejecting the nomination paper)

I have examined this nomination paper in accordance with rules and the provisions of
the Act and decide as follows:—

Accepted/Rejected.

Place :

Presiding Officer."

Dated :

By order,

S. K. SOOD,
F. C.-cum-Secretary.

